ता

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए

25.03.26

वकील वादी प्रार्थी वकुलाय फरीकन
उपस्थित/अनुपस्थित ... पीठासीन
अधिकारी महोदय R.O. मीटिंग में भरतपुर पधारे
पर है। अतः पत्रावली पेश प्रवाद
दिनांक 20/05/26

20.03.26 पत्रावली पेश हुई वकुलाय पक्षकारान उपस्थित। प्रति. सं. 1, 3, 4 की ओर से जवाब देने से इंकार किया अतः उनका जवाब बन्द किया जाता है। बहस पर उभयपक्ष अधिवक्तागण को सुना गया। बहस पर मनन किया। पत्रावली एवं इसमें प्रस्तुत दस्तावेजी रिकॉर्ड का भली भांति अवलोकन किया गया। जिससे हम इस नतीजे पर पहुंचे है कि विवादित आराजी का बाई मीट्स एण्ड बिभाजन नहीं हुआ है। अतः सहखातेदार का प्रत्येक इंच पर कब्जा माना जाना वाजिब है।

ऐसी सूरत में अनावश्यक मुकदमाबाजी नहीं बढ़े एवं कानूनी पेचीदगीयां पैदा नहीं हो, इसको ध्यान में रखते हुये प्रार्थनापत्र वादी अंतर्गत धारा 212 RTA स्वीकार किया जाता है तथा न्यायालय हाजा द्वारा जारी शुदा स्थगन आदेश दिनांक 02.06.25 को तांफैसला मूलवाद पुष्ट किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो तथा संलग्न मूल वाद हो।

उपखण्ड अधिकारी
कुम्हेर (भरतपुर) राज०